

## राज्य अलंकरण श्रेणी में दिये जाएंगे तीन नए पुरस्कार

### चर्चा में क्यों?

5 अक्टूबर, 2022 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में लोक कला साधकों के सम्मान को लेकर बड़ा नरिणय लेते हुए छत्तीसगढ़ में राज्य स्थापना पर दिये जाने वाले राज्य अलंकरण श्रेणी में तीन नए पुरस्कार देने की घोषणा की। यह पुरस्कार लोक कलाकार स्व. लक्ष्मण मस्तुरिया और स्व. खुमान साव तथा भगवान राम की माता कौशलया को समर्पित होंगे।

### प्रमुख बडि

- इस संबंध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक वरिासत एवं जीवंत संस्कृतिके लिये प्रसिद्ध है। यहाँ के लयबद्ध संगीत, लोकगीत एवं लोक नाट्य अद्भुत आनंद की अनुभूति कराते हैं।
- प्रदेश की लोकगीत व लोक संगीत की महान वरिासत के संरक्षण एवं संवर्द्धन और इस क्षेत्र में काम कर रहे नए कलाकारों को प्रेरति करने के लिये राज्य सरकार द्वारा राज्य अलंकरण के रूप में अन्य पुरस्कारों के साथ तीन नए पुरस्कार भी दिये जाएंगे।
- इसमें लोकगीत के क्षेत्र में 'लक्ष्मण मस्तुरिया पुरस्कार' दिया जाएगा। वही लोक संगीत के क्षेत्र में योगदान देने वाले कला साधकों को 'खुमान साव पुरस्कार' से सम्मानति कया जाएगा। इसी तरह माता कौशलया के मायके और भगवान राम के ननहिल छत्तीसगढ़ में श्रेष्ठ रामायण (मानस) मंडली को 'माता कौशलया सम्मान' से अलंकृत कया जाएगा।
- राज्य अलंकरण की भाँति ही इन श्रेणियों के पुरस्कार भी राज्य स्थापना दविस के अवसर पर आयोजति होने वाले राज्योत्सव कार्यक्रम के दौरान प्रदान कयि जाएंगे।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की संस्कृतिके धवज वाहकों के प्रतकिृतज्जता वयत्त करने और उनके नाम पर पुरस्कार संस्थति कयि जाने से उन महान कलाकारों के योगदान की जानकारी भी भावी पीढ़ी को होगी। इसके अलावा लोकगीत व लोक संगीत के प्रतकिृति भी बढेगी।